

सफलता की कहानी

किसान का नाम	— आन्ता मुर्मू
पिता का नाम	— हारा चौद मुर्मू
ग्राम	— मुचरीशोल
पंचायत	— गुड़ाबांधा
मोबाइल नं०	— 8825255673

कुछ लोग अवसर मिलने का इंतजार करते हैं और कुछ लोग स्वयं ही सफल होने का अवसर तलाश लेते हैं, ऐसा ही कर दिखाया गुड़ाबांधा प्रखण्ड के एक प्रगतिशील किसान आन्ता मुर्मू ने अपनी जिंदगी की पहिया को चलाने के लिए खेती से मूँह मोड़कर मुढ़ी भुंजने का काम शुरू किया लेकिन आन्ता मुर्मू का दिल सें खेती-किसानी का ललक गया नहीं। उन्हें अवसर तो दिख रहा था पर बेहतर मार्गदर्शन एवं उन्नत कृषि तकनीक की जानकारी कहाँ मिले।

एक बार किसी काम से प्रखण्ड कार्यालय आये हुए थे, कृषि विभाग के बारे में पुछने पर उन्हें प्रखण्ड अवस्थित कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र में जाकर भेंट करने को कहा। वहाँ आत्मा के प्रसार कर्मी से मिलकर अपनी समस्या साझा की। बताया कि सिर्फ धान की खेती से परिवार चलाना मुश्किल है इसके अलावा खेती बाड़ी का कोई अन्य उपाय बतायें जिससे कि मैं नगद लाभ कमा सकुं। आत्मा के प्रसार कर्मी ने उन्हें विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दिया। आत्मा के द्वारा किसानों को प्रशिक्षण देकर राज्य एवं जिला के अन्य संस्थानों एवं प्रगतिशील किसानों के प्रक्षेत्र में भ्रमण कराकर किसानों को खेती कार्य के प्रति जागरूक एवं प्रोत्साहित किया जाता है।

आन्ता मुर्मू राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में भाग लिया। सुक्ष्म सिंचाई पद्धति से खेती को देखा, किस तरह कम पानी में भी अच्छा पैदावार प्राप्त किया जा सकता है, यह जानकारी मिला।

आत्मा के प्रसार कर्मी ने उन्हें विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के बारे में विस्तार से बताया एवं उन्हें सरसों की वैज्ञानिक तरीके से खेती करने को प्रोत्साहित किया।

आन्ता मुर्मू ने लगभग आधे एकड़ जमीन में धान कटाई के बाद आत्मा के प्रसार कर्मी के तकनीकी मार्गदर्शन में सरसों का खेती किया। आन्ता मुर्मू कहते हैं उन्हें सरसों से 30,000 रुपये का मुनाफा हुआ है। इससे उनका आर्थिक स्थिति बेहतर होने लगा। अभी वह मन लगाकर खेती कार्य में मेहनत कर रहा है। इसके साथ ही अन्य युवा किसान साथियों को भी सरकार के द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं का लाभ लेकर खेती-बाड़ी करने को प्रोत्साहित करते रहें हैं।

आन्ता मुर्मू का खेती

